SHRI T. R. ZELIANG: Mr. Chairman, Sir, we are grateful to the Planning Commission for bringing out this target, and the achievement made by the Department is almost 50 per cent on ground. However, in the North-Eastem Region, we have eight States, out of which six States have been covered under this programme, excepting Nagaland and Manipur. I would like to know from the hon. Minister as to why these two States have not been covered under this programme. It it because that there are no proposals from these two States? Or, is there any other reason why Nagaland has not been covered under this programme?

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी : सर, मैं इसकी जानकारी लेकर माननीय सदस्य को दूंगा कि वहां पर अभी तक क्यों इम्प्लीमेंट नहीं हो पाया है।

Students opting for Science and Technology

*263. SHRI R.K.ANAND:†
SHRI GIREESH KUMAR SANGHI:

Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether the percentage of students opting for Science and Technology had shown a sharp decline from 1950 to 2005;

(b) if so, the reasons therefor;

(c) how it is comparable with the world figure; and

(d) the concrete measures to check this downslide?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI MD.ALI ASHRAF FATMI): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

(c) No such data is maintained.

(d) Does not arise.

SHRI R.K. ANAND: Sir, I am surprised with the reply. I have got the UNDP Human Resources Development Report of 2001, which clearly indicates that India's much valued pool of trained scientists and technical personnel have already begun to shrink. I would like to know from the hon. Minister whether it is correct that 20 per cent of the seats of atjengineering courses in the country remain vacant. If it is so, what steps are being taken to enable students to pursue higher education in science and technology?

†The question was actually asked on the floor of the House by Shri R. K. Anand.

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी : सर, जहां तक इंजीनियरिंग के अन्दर इंक्रिमेंट का सवाल है, उसके अन्दर काफी इंटरेस्ट बढ़ा है और स्टूडेंट्स भी इंजीनियरिंग में बड़ी तादाद में जा रहे हैं। अलबत्ता ये जो वेकेंट सीट्स, खाली जगहों की बात कर रहे हैं, यह प्राइवेट कॉलेजेज के अन्दर हो सकता है कि यह जगह न भरी हो, क्योंकि वहां पर हो सकता है कि गरीब बच्चे अपनी फीस नहीं दे पाते हों और वहां पर वह जगह खाली रहती हो। लेकिन जहां तक गवर्नमेंट कॉलेजज का सवाल है या सेंट्रल यूनिवर्सिटीज जो भी इंजीनियरिंग कॉलेजेज चलाती है , वहां पर जितनी भी जगह हैं, वे भरी गई हैं।

SHRI R.K. ANAND: Mr. Chairman, Sir, there was a time when getting education in science means getting life. Now the students are migrating towards more lucrative jobs in the field of IT than opting for professional courses in the science stream. I would like to know from the hon. Minister whether there is a sharp decline in the number and quality of students opting for science and technology; that is, from 32 per cent in 1950, it has gone down to 15 per cent as to today. If it is so, then, what is being done to improve the quality of science education in India so that the boys coming out of colleges are able to get job opportunities?

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी : सर, जहां तक प्योर सांइस के अन्दर तालिब-ए-इल्मों के , छात्रों के जाने का सवाल है, इसकी परसेंटेज घटी नहीं है, लेकिन यह बहुत इंक्रेजिंग भी नहीं है। आज जो कंसर्न हैं कि +2 के बाद ज्यादातर बच्चे या तो इंजीनियरिंग में जाना चाहते हैं या मेडिकल में जाना चाहते हैं या कुछ और प्रोफेश्नल कोर्सेज में जाना चाहते है क्योंकि वहाँ पर उन्हें इस बात की गारंटी होती है कि वे पास करने के बाद कहीं-न-कहीं जॉब पर लगेंगे, लेकिन मुल्क के अन्दर जरूरत इस बात की है कि कॉलेजेज के अन्दर और यूनिवर्सिटीज के अन्दर साईस की तालीम के बेहतर इन्तजाम हो। आगे इसके बारे में भारत सरकार भी सोचेगी और राज्य सरकारों को भी सोचना चाहिए, ताकि फैसिलिटीज हो और लैब अच्छे हों, पढ़ाई का इन्तजाम ज्यादा बेहतर हो, क्योंकि जो आज के आंकडे है, उनमें +2 के बाद का जो एज ग्रुप है, 18 से 24 वर्ष, उसमें इंजीनियरिंग और मेडिकल के अलावा सिर्फ 9 परसेंट बच्चे ही +2 के बाद यूनिवर्सिटी में या कॉलेजेज में जाते हैं। यह तादाद बहुत इंक्रेजिंग नहीं है, बहुत बढ़ नहीं रही है। इसे बढ़ाने के लिए जरूरत इस बात की है कि यूनिवर्सिटीज और कॉलेजेज के अन्दर अच्छे इन्तजाम हों।

श्री आर. पी. गोयनका : उपसभापति महोदय, माननीय मंत्री जी ने सवाल के भाग "क" का जवाब दो वडर्स में दिया है, "जी नहीं" और उन्होंने अभी आनन्द साहब के सवाल का जवाब दिया "हां कम हो रहा है और हम इस पर विचार करेंगे व सेंटर तथा स्टेट दोनों को विचार करना है। तो महोदय, मेरी समझ में नहीं आया कि इनका कौन-सा जवाब सही है।

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी : महोदय, मैंने यह नहीं कहा कि पर्सेटेंज घट रहा है यानी जिस लेवल पर बढ़ना चाहिए, उस केवल पर बढ़ नहीं रहा है मैंने कहा कि बच्चों को प्लस टू के बाद

प्योर सांइस की तरफ जाना चाहिए । उनका इंटरेस्ट उतना ही जितना इंजीनियरिंग, मेडिसिन और दूसरे प्रोफेशनल कोर्सेज के अदंर है। महोदय, यह इंटरेस्ट तभी बढेगा जब हम यूनिवर्सिटीज व कॉलेज के अदंर फेसिलिटीज बढ़ाएंगे, नई इंस्टीटयूटस खोलेंगे और उस के बारे में हमें सोचना होगा, विचार करना होगा और उस की तैयारी करनी होगी ।

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE: Sir, these are very serious issues; though the question may not have been framed in the way in which I understand it and, I think, Mr. Anand will agree with me. This is actually about basic science and, what you call, basic engineering education, professional education. It is a very serious concern today. If you ask anyone today, you will not find people going in for basic engineering education. The number of people going in for civil, electrical and mechanical engineering is decreasing. As a matter of fact, people coming out of civil, electrical and mechancial engineering are also going to just one particular industry, that is, IT or computers. That is the point. One of the chief executive&.of a power company was sharing his anxiety with me and saying that today we do not have sufficient number of power engineers in the field of power generation, transmission and distribution, a crisis which is being faced even by the United States of America because of this one-point focus on the IT sector. So, the question is that of developing the R&D in basic science and going in for civil, electrical and mechanical engineering. Are they being ignored at the cost of the single-point focus or attraction towards the IT or the com puter sector? मंत्री जी को जांच कर के देश को बताना चाहिए ।

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी : महोदय, यह बात दुरूस्त है कि आई.टी. , कंप्यूटर या इंलेक्ट्रोनिक्स कम्प्युनिकेशन के अदंर स्टूडेंट्स ज्यादा तादाद में जाना चाहते हैं, लेकिन गवर्नमेंट की कोई ऐसी पॉलिसी नहीं है कि इलेक्ट्रॉनिक , मैकेनिकल या सिविल इंजीनियरिंग को रिड्यूस किया जाए बल्कि अगर कोई भी कॉलेज इन ब्रांचेज को मांगता है, तो हम आगे बढ़कर कहते हैं कि यह जरूर होना चाहिए क्योंकि बगैर इस के इंफास्ट्रक्चर बढ़ाने या मुल्क का जो बड़ा काम है, वह नहीं होगा ।

श्री अबू आसिम आजमी : सर, मैं आप के माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या यह सच है कि सांइस और टैक्नॉलोजी को छोडकर दूसरी फैकल्टीज में जा रहे हैं? अगर ऐसा है तो सरकार इस को रोकने के लिए क्या इंतजाम कर रही है, ताकि हमारे मिडल क्लास के बच्चे भी सांइस और टैक्नॉलोजी में तालीम हासिल कर सकें ?

شری ابو عاصم اعظمی : سر، میں آپ کے مادھیم سے مانئے منتری جی سے جاننا چاہتا ہوں کہ کیا یہ سچ ہے کہ سائنس اور ٹیکنالوجی کی تعلیم بہت مہنگی ہو گئی ہے اور سائنس اور ٹیکنالوجی کی کالجس میں بھاری فیس کے علاوہ بھاری ڈونیشن لیا جاتا ہے، اس لئے غریب اور مڈل کلاس کے انٹیلی جینٹ بچے سائنس اور ٹیکنا لوجی کو چھوڑ کر دوسری فیکلٹیز میں جا رہے ہیں؟ اگر ایسا ہے تو سرکار اس کو روکنے کے لئے کیا انتظام کر رہی ہے تاکہ ہمارے مڈل کلاس کے بچب بھی سائنس اور ٹیکنالوجی میں تعلیم حاصل کر سکیں؟

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी : महोदय, जो यूनिवर्सिटीज या कॉलेज सरकार चलाती है, उसके अतंर्गत फीस बहुत नोमीनल है। प्राइवेट कॉलेज के बारे में आप कह सकते हैं कि वहां फीस कुछ ज्यादा होगी । जहां तक डोनेशन का सवाल है, डोनेशल का सवाल ही पैदा नहीं होता । हम लोग डोनेशसं को एग्री नहीं करते हैं । अगर कही पर कोई डोनेशन लेता है तो वह गलत है ।

श्री अबू आसिम आजमी : सर, यू.पी. के लोग महाराष्ट्र और कहां-कहां जा रहे हैं । क्योंकि वे ज्यादा डोनेशन नहीं दे सकते ।

شری ابو عاصم اعظمی : سر، یو- پی- کے لوک مہاراشٹر اور کہاں کہاں جا رہے ہیں-

کیوں کہ وب زیادہ ڈونیشن نہیں دے سکتے-

SHRI PENUMALLI MADHU: Sir, the hon. Minister in his reply has stated that the data regarding the percentage of students opting for science and technology is not being maintained by the Government. I want to know from the hon. Minister whether the Government has taken such a decision not to maintain any data of students who are opting for science and technology. If so, then, how would one be able to know whether their number is increasing or decreasing? I am unable to understand why the Government is not maintaining such a basic data. The hon. Minister is blatantly telling on the floor of the House that the data is not being maintained. I would like to know from the hon. Minister whether the Government would like to maintain such a data in future or not.

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी : सर, हमारे पास 1991 से लेकर अभी एक का डाटा मौजूद है । जहां तक इन्होंने स्पेसिफिक डाटा के बारे में कहा है, तो अगर वह इनको चाहिए तो मैं इनके पास भिजवा दूंगा ...(**व्यवधान**)....

SHRI PENUMALLI MADHU: Sir, ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The hon. Minister is answering your question. You cannot put supplementary on supplementary. ...*(Interruptions)*...

†Transliteration in Urdu Script.

SHRI PENUMALLI MADHU: Sir, the hon. Minister has stated here that no data is maintained. But, now he is saying that some data is being maintained. He cannot mislead the House like this.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: That is a different thing. He said that he will send the data to you. As regard the question whether the number of students opting for science and technology is falling, he said, 'no'. He did not say that the data is not being maintained. ...*(Interruptions)*...

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी : मैंने पहले बताया कि तकरीबन 9 परसेंट बच्चे ही इस एज ग्रुप में है जिनके लिए मुल्क के अन्दर प्लस टू के बाद फैसिलिटी मौजूद है । इस फैसिलिटी को बढ़ाने की बात है । जब तक वह फैसिलिटी नहीं बढेगी, जब तक बच्चों के बैठने की जगह नहीं होगी, तो फिर हम इसको कैसे आगे बढ़ा सकेंगे ।

श्री उपसभापति : श्री रूद्रनारायण पाणि ।

श्री रूद्रनारायण पाणि : धन्यवाद, उपसभापति महोदय। ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति : देखेंगे । ...(**व्यवधान**)... माइक की जरूरत नहीं है । ...(**व्यवधान**)... आप सुनिए ।

श्री रूद्रनारायण पाणि : महोदय, यह खुशी की बात है कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी पढ़ने के लिए विद्यार्थियों में आग्रह कम नहीं हो रहा है । यह अत्यंत शुभ सूचना है , खुशी की बात है । माननीय मंत्री महोदय ने एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि हम अगर नए-नए प्रतिष्ठान खोलेंगे तो विद्यार्थियों का आग्रह और बढ़ेगा । मेरा यह कहना है कि सन् 2003 में यू.जी.सी. ने उड़ीसा के भुवनेश्वर में एक नेशनल इंस्टीट्यट ऑफ सांईस खोलने के लिए एक प्रस्ताव राज्य सरकार को दिया था। राज्य आफॅ साईस को बंद करने का कार्य शुरू हो गया है, एक प्रकार से बन्द किया जा रहा है । इसके बारे में माननीय मंत्री महोदय सदन के माध्यम से हमारे प्रदेश और राष्ट्र को थोड़ा बताएं कि भुवनेश्वर में नेशनल इंस्टीटयूट आफॅ सांइस बनेगा या नहीं बनेगा।

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी : सर, मैं इसकी जानकारी लेकर इनको भिजवा दूंगा ।

श्री रूद्रनारायण पाणि : आपके पास इसका जवाब नहीं है।

*264. [The questioner (Shri P.K. Maheshwari) was absent. For answer *vide* page 26]

*265. [The questioners (Dr. Murli Manohar Joshi and Shri Ram Jethmalani) were absent. For answer wde page 30]